

प्रसिद्ध
सचित्र कहानियां
विक्रम और बेताल



MAPLE KIDS

ब्राह्मण और बाज

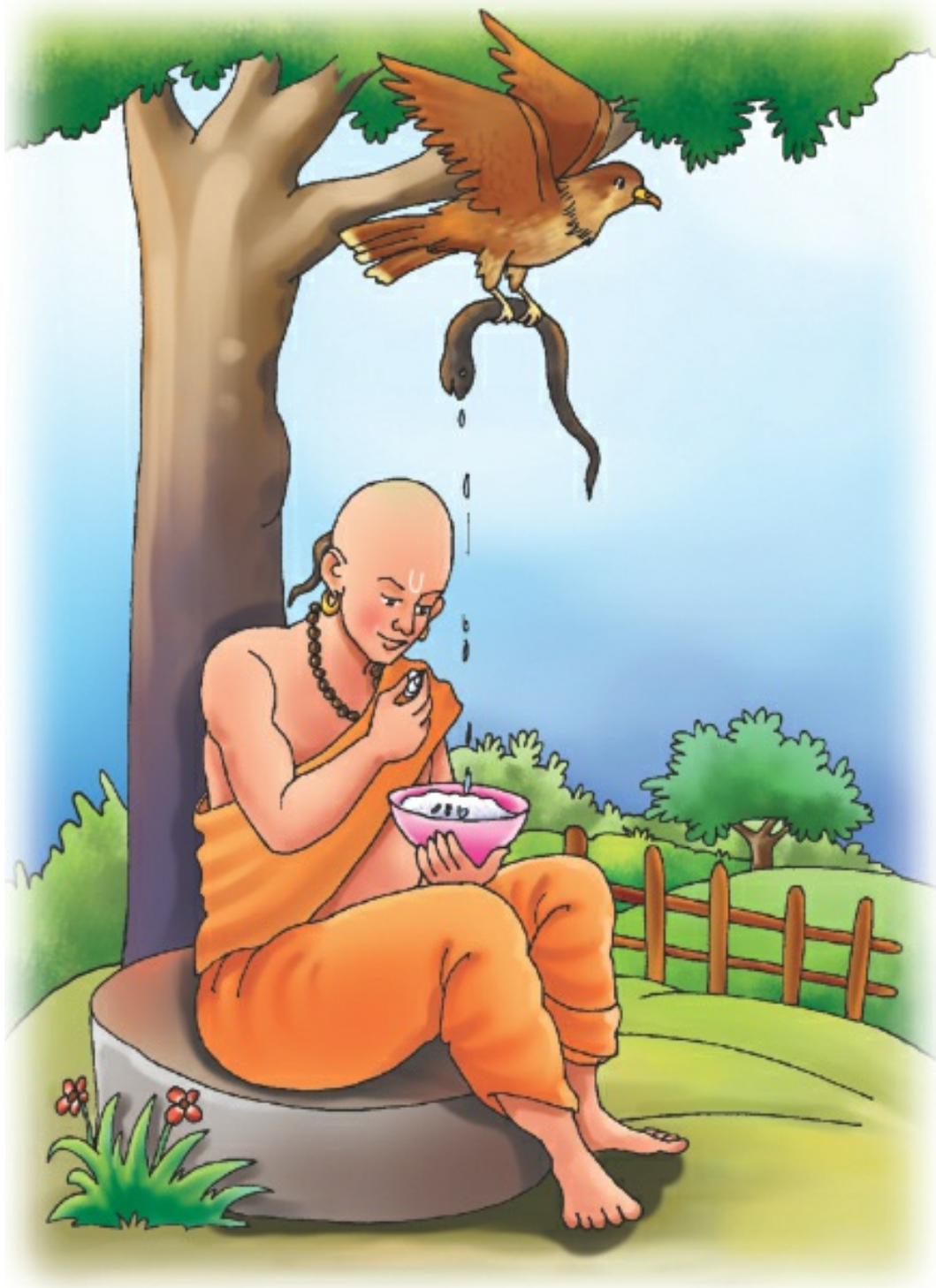
बेताल पेड़ की शाखा से प्रसन्नतापूर्वक लटका हुआ था, तभी विक्रमादित्य ने फिर वहां पहुंचकर, उसे पेड़ से उतारा और अपने कंधे पर डालकर चल दिए। बेताल ने भी अपनी अगली कहानी शुरू कर दी।

बहुत साल पहले बनारस में धर्मस्वामी नामक एक धार्मिक ब्राह्मण रहता था। हरिस्वामी नामक उसका एक पुत्र था। वह अपनी पत्नी को बहुत प्यार करता था। उसकी पत्नी 'सुन्दरी' सच में बहुत सुन्दर थी। शायद ईश्वर ने फुर्सत में उसे बनाया था और अपनी सारी सुंदरता और आकर्षण उसे दे दिया था।

एक दिन चांदनी रात में जब हरिस्वामी बगीचे में अपनी पत्नी के साथ सोया हुआ था, तभी एक परी राजकुमार उधर से उड़ता जा रहा था। चांदनी से नहाई सुंदरी और भी सुंदर लग रही थी। उसे देखकर परी राजकुमार ने सोचा, “ऐसी सुंदरी यहां क्या कर रही हैं? इसे तो मेरे संसार में रहना चाहिए था।” ऐसा सोचकर वह सोई हुई सुंदरी को अपनी बांहों में उठाकर चला गया।

जगने पर हरिस्वामी अपनी पत्नी को नहीं पाकर परेशान हो गया। काफी देर तक उसने वही प्रतीक्षा की, पर वह कहां से आती। अपनी पत्नी के वियोग में वह बहुत दुखी रहने लगा। अपना घर अपनी जायदाद सब बेचकर उसने शहर के गरीबों को भोजन कराया और शहर छोड़कर निकल पड़ा।

एक दिन, किसी गांव से गुजरते समय उसने देखा कि एक दयालु ब्राह्मण और उसकी पत्नी गरीबों को भोजन करा रहे हैं। दुखी हरिस्वामी भी उनके दरवाजे पर जाकर बैठ गया। ब्राह्मण की पत्नी ने उसे दुखी और भूखा समझकर भोजन दिया। हरिस्वामी भूखा तो था ही, ब्राह्मण की पत्नी को आशीर्वाद देकर चावल का कटोरा, मक्खन, चीनी लेकर एक पेड़ के नीचे धूप में आराम करने के लिए आकर बैठ गया।



बसंत का मौसम बहुत ही सुहाना था। तभी एक बाज हरिस्वामी के सिर पर उड़ता हुआ आया। उसके मुंह में एक साँप था जिसके मुंह से जहर टपक रहा था। दुर्भाग्यवश जहर की बूंदें चावल के कटोरे में भी गिर गयीं, जिसे हरिस्वामी ने नहीं देखा। परिणामस्वरूप चावल खाते ही उसकी आंखें उलट गईं, शरीर नीला हो गया, और तुरंत ही उसकी मृत्यु हो गई।

“राजन, अब आप मुझे बताएं कि हरिस्वामी की मृत्यु का उत्तरदायी कौन था.... बाज, सांप या ब्राह्मण की पत्नी जिसने कटोरे में चावल दिए थे?” बेताल में कहा।

राजा विक्रमादित्य मुस्कराए और बोले, “ब्राह्मण की पत्नी ने दुखी यात्री को भोजन देकर अपना कर्म किया था। सांप बेचारा कुछ कर ही नहीं सकता था, क्योंकि वह मरा हुआ था। बाज सांप को खाना चाहता था, उसका भी कोई दोष नहीं था। यदि हरिस्वामी की मौत का उत्तरदायी किसी को ठहराना है तो वह खुद हरिस्वामी हैं। उसे ही अपने भोजन का ध्यान रखना चाहिए था।”

विक्रमादित्य का उत्तर समाप्त होते ही बेताल पेड़ की ओर फिर उड़कर चल दिया। उसे पता था कि राजा बुद्धिमान हैं और वह गलत उत्तर कभी नहीं देगा।